ऋतुओं पर आधारित मशरूम की वर्ष भर खेती

खुम्ब अनुसंधान निदेशालय
(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्)
चम्बाघाट, सोलन–173 213 (हि.प्र.)

परिचय

अनुभवी कृषक होने के नाते आपको विदित होगा कि विभिन्न कृषि फसलों को बदल-बदल कर मौसम की अनुकूलता के अनुसार भिन्न-भिन्न ऋतुओं में उगाया जाता है। हमारे पूर्वजों की यह परम्परा रही है कि कृषि फसलों को एक क्रम में उगाते थे। आज भी यह परम्परा कायम है इस परम्परा के अनुसार फसलों को निम्नलिखित तथ्यों के आधर पर उगाते हैं।

1. अधिक पानी चाहने वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल जैसे-धान के बाद गेहूं।

2. अधिक उर्वरक चाहने वाली फसल के बाद कम उर्वरक चाहने वाली फसल जैसे-धान के बाद चना।

3. मूसला जड़ वाली फसल के बाद झकड़ा जड़ वाली फसलें जैसे-गेहूं-धान-गन्ना।

फसलों को क्रम में उगाने का मुख्य उद्देश्य भूमि की उर्वरता, नमी एवं मृदा संरचना को बनाये रखना होता है। साथ ही बीमारियों व कीड़ों-मकोड़ों से बचाव करना तथा प्राकृतिक संसाधनों से अधिक से अधिक लाभ उठाना होता है।

जलवायु अनुसार उपलब्ध मशरूम प्रजातियाँ

फसलों को क्रम में उगाने की परम्परा को मशरूम की खेती में भी लागू किया जा सकता है। लेकिन मशरूम एक गैर परम्परागत फसल होने की वजह से इसे क्रम में उगाना अभी तक प्रचलन में नहीं आ पाया है। किसान केवल इसे एक ही ऋतु में उगाते आ रहे हैं तथा अन्य ऋतुओं में मशरूम उत्पादन व्यवसाय बंद कर देते हैं। जबकि हमारे देश की जलवायु भिन्न-भिन्न प्रकार की मशरूम की खेती के लिये उपयुक्त है। यदि हम देश की जलवायु पर नजर डालें तो पायेंगे कि यहां गर्म, आर्द्र, शीतोष्ण, आदि प्रकार की जलवायु विभिन्न प्रांतों में उपलब्ध है। इस प्रकार जलवायु के आधार पर ऋतुओं का भी जैसे शीत ऋतु, वर्षा ऋतु, बसंत ऋतु आदि का वर्गीकरण किया गया है। अतः अमारे देश में भिन्न-भिन्न प्रकार की मशरूम को क्रम में उगाना सम्भव है क्योंकि भिन्न-भिन्न प्रकार की मशरूम की वृद्धि हेतु तापमान आवश्यकता अलग-अलग है। विभिन्न

प्रकार की मशरूम की प्रजातियों को उगाने हेतु तापमान आवश्यकता निम्नलिखित है।

सारणीः कुछ प्रमुख खाद्य मशरूम के लिय अनुकूल तापमान

मशरूम के वैज्ञानिक नाम	प्रचलित नाम	अनुकूलतम तापमान (डि.से.)	
		बीज फैलाव हेतु	फलन हेतु
1. *एगेरिकस बाइसपोरस*	श्वेत बटन मशरूम	22–25	14–18
2. *एगेरिकस बाइटॉरकिस*	ग्रीष्मकालीन श्वेत बटन मशरूम	28–30	25
3. *ऑरिकुलेरिया* प्रजाति	ब्लैक इयर मशरूम	20–34	12–30
4. *लेन्टीनुला इडोड्स*	शिटाके मशरूम	22–27	15–20
5. *प्लूरोटस इरिन्जाई*	काबुल ढींगरी	18–22	14–18
6. *प्लूरोटस फ्लेविलेटस*	ढींगरी मशरूम	25–30	22–26
7. *प्लूरोटस फ्लोरिडा*	ढींगरी मशरूम	25–30	18–22
8. *प्लूरोटस सजोर–काजू*	ढींगरी मशरूम	25–32	22–26
9. *वॉल्वेरियेला वॉल्वेसिया*	पराली मशरूम	32–34	28–32
10. *कैलोसाईबी इंडिका*	दूधिया मशरूम	25–30	30–35

वार्षिक मशरूम फसल चक्र

उपर्युक्त सारणी में दिये गये विभिन्न प्रकार की मशरूम प्रजातियों की वानस्पतिक वृद्धि (बीज फैलाव) व फलनकाय (फलन) अवस्था के लिये अनुकूल तापमानों को देखने से यह स्पष्ट हो जाता है कि मशरूम को कृषि फसलों की भांति फेरबदल कर चक्रों में उगाया जा सकता है। जैसे मैदानी भागों व कम उँचाई पर स्थित पहाड़ी भागों में शरद ऋतु में श्वेत बटन मशरूम, ग्रीष्म ऋतु में ग्रीष्म कालीन श्वेत बटन मशरूम व ढींगरी तथा वर्षा ऋतु में पराली मशरूम व दूधिया मशरूम।

उत्तर भारत में विभिन्न प्रकार की मशरूम को उगाने का क्रम चित्रों में दर्शाया गया है।

चित्र–1 से ज्ञात होता है कि मैदानी भागों में श्वेत बटन मशरूम को शरद ऋतु में नवम्बर से फरवरी तक, ग्रीष्मकालीन श्वेत बटन मशरूम को सितम्बर से नवम्बर व फरवरी से अप्रैल तक, काले कनचपड़े मशरूम को फरवरी से अप्रैल तक, ढींगरी मशरूम को सितम्बर से

मई तक, पराली मशरूम को जुलाई से सितम्बर तक तथा दूधिया मशरूम को फरवरी से अप्रैल व जुलाई से सितम्बर तक उगाया जा सकता है।

मध्यम उंचाई पर स्थित पहाड़ी स्थानों में श्वेत बटन मशरूम को सितम्बर से मार्च तक, ग्रीष्मकालीन श्वेत बटन मशरूम को जुलाई से अगस्त तक व मार्च से मई तक, शिटाके मशरूम को अक्तूबर से फरवरी तक, ढिंगरी मशरूम को पूरे वर्ष भर, काले कनचपड़े मशरूम को मार्च से मई तक तथा दूधिया मशरूम को अप्रैल से जून तक उगाया जा सकता है (चित्र–2)।

अधिक उंचाई पर स्थित पहाड़ी क्षेत्रों में श्वेत बटन मशरूम को मार्च से नवम्बर तक, ढिंगरी मशरूम को मई से अगस्त तक तथा शिटाके मशरूम को दिसम्बर से अप्रैल तक उगाया जा सकता है (चित्र–3)।

श्वेत बटन मशरूम
ग्रीष्म कालीन श्वेत बटन मशरूम
शिटाके मशरूम
ढींगरी मशरूम
काले-कन चपडें मशरूम
दूधिया मशरूम

श्वेत बटन मशरूम
ढींगरी मशरूम
शिटाके मशरूम

इस प्रकार हमारे देश मे अलग–अलग तरह की जलवायु वाले स्थानों में ऋतु–अनुसार भिन्न–भिन्न प्रकार के मशरूम फसल चक्र अपनाकर साल भर मशरूम की खेती करना संभव है। समुद्रतटीय राज्यों में वर्ष भर ढींगरी मशरूम, पराली मशरूम व दूधिया मशरूम को प्राकृतिक वातावरण में उगाया जा सकता है। पूर्वोत्तर राज्यों में श्वेत बटन मशरूम, ढींगरी मशरूम, शिटाके मशरूम व काले कनचपड़े मशरूम को उगाया जा सकता है। मध्य व पश्चिमी भारत में ढींगरी मशरूम को ग्रीष्म ऋतु को छोडकर अन्य सभी ऋतुओं में व दूधिया मशरूम की खेती वर्ष भर की जा सकती है।

मशरूम उत्पादन की इन मौसमी वार्षिक योजनाओं पर अमल कर किसान वर्ष भर रोजगार प्राप्त कर मशरूम से खेती करते रहने से बीमारियों व कीड़े–मकोड़े का प्रकोप भी बढ़ जाता है, मशरूम फसल चक्र को अपनाकर इनका प्रकोप कम किया जा सकता है। साथ ही देश के कुल मशरूम उत्पादन में बढ़ोतरी करने में सहयोग दे सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

निदेशक

खुम्ब अनुसंधान निदेशालय, चम्बाघाट, सोलन (हि.प्र.)
फोन न. 01792–230767, 230541, 230451
फैक्स न. 01792–231207
ई–मेलः directordmr@gmail.com
वेबसाइटः www.nrcmushroom.org

लेखक : **बी. विजय व महान्तेश शिरूर**

मुद्रकः युगान्तर प्रकाशन, मायापुरी फेस–I, नई दिल्ली;
फोन न. 011.28115949, 28116018